हिन्दी

(वसंत) (पाठ 9)(पी. साईनाथ - जहाँ पहिया है)
(कक्षा 8)

जंजीरें

प्रश्न 1:

उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकड़े हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते हैं..., आपके विचार से लेखक 'जंजीरों' द्वारा किन समस्याओं की ओर इशारा कर रहा है?

उत्तर 1:

जंजीरों के द्वारा लेखक समाज की उस व्यवस्था की ओर इशारा कर रहा है। जिसमें स्त्रियों के प्रति उदासीनता और रूढ़ियां हैं जिनके कारण स्त्री को समाज में किसी प्रकार का कोई स्वतंत्रता नहीं है।

प्रश्न 2:

क्या आप लेखक की इस बात से सहमत हैं? अपने उत्तर का कारण भी बताइए।

उत्तर 2:

हाँ, हम लेखक की इस बात से पूर्णतः सहमत हैं जिसमें स्त्रियों को दूसरे दर्जे का और केवल घर की चारदीवारी के अन्दर तक माना गया है। जिसमें वह किसी भी प्रकार का निर्णय लेने में स्वतंत्र नहीं हैं। उसके द्वारा उठाया गया किसी भी प्रकार का कदम समाज में कील की तरह चुभता है। और घर के अन्दर घुटने वाली स्त्रियां कभी न कभी कोई क्रान्तिकारी कदम उठाती ही हैं जैसा कि वर्तमान पाठ में हुआ है।

पहिया

प्रश्न 1:

'साइकिल आंदोलन' से पुडुकोई की महिलाओं के जीवन में कौन-कौन से बदलाव आए हैं?

उत्तर 1:

- महिलाओं में जागरूकता आई।
- वे आत्मनिर्भर हो गईं।
- अपने अधिकारों के प्रति उनमें सजगता आई।
- वे नवाक्षर हुईं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया।
- पुरुषों पर निर्भरता में भी कमी आई।
- आजादी की नई भावना का जन्म हुआ।

प्रश्न 2:

शुरूआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया परंतु आर. साइकिल्स के मालिक ने इसका समर्थन किया, क्यों?

उत्तर 2:

साइकिल आंदालन से पुरुषों के द्वारा बनाई गई रुढ़िवादी परंपरा का टूटना स्वाभाविक था इसलिए उन्होंने आंदोलन का विरोध किया। आर साइकिल्स के मालिक लेडीज़ साइकिल के डीलर थे। आंदोलन से उनको ही फायदा होने वाला था इसलिए उन्होंने आंदोलन का समर्थन किया।

प्रश्न 3:

प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधा आई?

उत्तर 3:

इस आंदोलन की मुखिया फातिमा मुस्लिम परिवार से थी उनके यहां महिलाओं को बहुत ही ज्यादा बंधन में रहना पड़ता है। साइकिल चलाने पर उन्हें गंदी-गंदी टिप्पणियों से गुजरना पड़ा। उनके साहस को तोड़ने का भरसक प्रयास किया गया। उन्हें कोई साइकिल चलानी सिखाने वाला भी नहीं मिला। इसलिए उन्होंने खुद ही साइकिल सीखने का निश्चय किया और इसमें सफल भी हुई।

शीर्षक की बात

प्रश्न 1:

आपके विचार से लेखक ने इस पाठ का नाम 'जहाँ पहिया है' क्यों रखा होगा?

उत्तर 1:

लेखक ने समय के घूमते चक्र के आधार पर ही इस पाठ का नाम 'जहां पहिया है' रखा होगा।

प्रश्न 2:

अपने मन से इस पाठ का कोई दूसरा शीर्षक सुझाइए। अपने दिए हुए शीर्षक के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर 2:

मेरे विचार से इस पाठ का अन्य शीर्षक पहिये की क्रांति भी हो सकता है जो एक साइकिल आंदोलन के रूप में शुरू हुआ और समाज में बदलाव की नींव रख दी।

समझने की बात

प्रश्न 1:

लोगों के लिए यह समझना बड़ा कठिन है कि ग्रामीण औरतों के लिए यह कितनी बड़ी चीज है। उनके लिए तो यह हवाई जहाज उड़ाने जैसी बड़ी उपलब्धि है। साइकिल चलाना ग्रामीण महिलाओं के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है? समूह बनाकर चर्चा कीजिए।

उत्तर 1:

छात्र अपने शिक्षक की आज्ञा से कक्षा में उपरोक्त विषय पर वाद-विवाद का आयोजन करेंगे।

प्रश्न 2:

पुडुको'ई पहुँचने से पहले मैंने इस विनम्र सवारी के बारे में इस तरह सोचा ही नहीं था। साइकिल को विनम्र सवारी क्यों कहा गया है?

उत्तर 2:

साइकिल एक विनम्र और सेहतमंद सवारी है जिससे पूरा शरीर स्वस्थ रहता है। वह सवारी इतनी बड़ी क्रांति ला सकती है लेखक ने इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था।

साइकिल

प्रश्न:

फातिमा ने कहा,... मैं किराए पर साइकिल लेती हूँ ताकि मैं आजादी और खुशहाली का अनुभव कर सकूं। साइकिल चलाने से फातिमा और पुडुकोई की महिलाओं को 'आजादी' का अनुभव क्यों होता होगा?

उत्तर:

फातिमा के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह साइकिल खरीद सकती इसलिए उसने किराए पर साइकिल ली और अपनी स्वतंत्रता का अनुभव किया। उसके इस कार्य से वहां की अन्य महिलाओं को भी बल मिला और उन्हें भी आजादी का अनुभव हुआ।

कल्पना से

प्रश्न 1:

पुडुकोई में कोई महिला अगर चुनाव लड़ती तो अपना पार्टी-चिह्न क्या बनाती और क्यों?

उत्तर 1:

पुडुकोई में कोई महिला अगर चुनाव लड़ती तो अपना पार्टी-चिह्न साइकिल ही बनाती क्योंकि उसके द्वारा ही वहां के जीवन में बदलाव आया था।

प्रश्न 2:

अगर दुनिया के सभी पहिए हड़ताल कर दें तो क्या होगा?

उत्तर 2:

अगर दुनिया के सभी पहिए हड़ताल कर दें तो दुनिया का विकास का पहिया भी रुक जाएगा।

प्रश्न 3:

1992 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बाद अब यह जिला कभी भी पहले जैसा नहीं हो सकता। इस कथन का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 3:

इस कथन का यह अभिप्राय है कि अब यहां के लोग जागरूक हो चुके हैं। महिलाएं भी जागरूक हो गई हैं। अब उन्हें आसानी से बहकाया नहीं जा सकता।

प्रश्न 4:

मान लीजिए आप एक संवाददाता हैं। आपको ***8*** मार्च ***1992*** के दिन पुडुकोई में हुई घटना का समाचार तैयार करना है। पाठ में दी गई सूचनाओं और अपनी कल्पना के आधार पर एक समाचार तैयार कीजिए।

उत्तर 4:

छात्र अपनी कल्पना के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार करेंगे।

प्रश्न 5:

अगले पृष्ठ पर दी गयी 'पिता के बाद' कविता पढ़िए। क्या कविता में और फातिमा की बात में कोई संबंध हो सकता है? अपने विचार लिखिए।

उत्तर 5:

जैसे कविता में लड़की को पिता ने अपने वारिस के रूप में देखा है और उसके द्वारा लड़कों के जैसे काम करने के बारे में बताया गया है। ठीक वैसे ही समाज में मर्दों की सवारी साइकिल पर अब महिलाओं का अधिकार हो गया है। वे भी अब पुरुषों की तरह आत्मनिर्भर बन गई हैं।

भाषा की बात

प्रश्न:

उपसर्गों और प्रत्ययों के बारे में आप जान चुके हैं। इस पाठ में आए उपसर्गयुक्त शब्दों को छाँटिए। उनके मूल शब्द भी लिखिए। आपकी सहायता के लिए इस पाठ में प्रयुक्त कुछ 'उपसर्ग' और 'प्रत्यय' इस प्रकार हैं- अभि, प्र, अनु, परि, वि(उपसर्ग), इक, वाला, ता, ना।

उत्तर:

पाठ में प्रयुक्त कुछ 'उपसर्ग' और 'प्रत्यय' इस प्रकार हैं:

उपसर्गयुक्त शब्द	मूल शब्द
सर्वाधिक	अधिक
स्वाधीनता	अधीनता
अभिव्यक्त	व्यक्त
प्रदर्शन	दर्शन
प्रतियोगिता	योग्यता
प्रशिक्षण	शिक्षण
बेशकीमती	कीमती
आत्मविश्वास	विश्वास
असाधारण	साधारण
आत्मसम्मान	सम्मान

प्रत्यययुक्त शब्द	मूल शब्द
सामाजिक	समाज
पिछड़ेपन	पिछड़ा
गतिशीलता	गति
रूढ़िवादी	रुढ़ि
व्यक्तिगत	व्यक्ति
मूर्खतापूर्ण	मूर्खता
महत्वपूर्ण	महत्त्व
ग्रामीण	ग्राम